GURU GORAKSHNATH INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES
FACULTY OF AYURVEDA
MAHAYOGI GORAKHNATH UNIVERSITY, GORAKHPUR

DATA COLLECTION FORMAT

11th NATIONAL AYURVEDA DAY CELEBRATIONS – 2026

Theme: “Ayurveda for a Healthier Tomorrow”

Period of Celebration: 17 September 2026 to 23 September 2026

Details of the activities organized for celebration of 11th Ayurveda day

SI NO	Activities	Chief Guest If any	No of Participants		
			Online	Offline	Total
1.	Inauguration of 11th Ayurveda day celebrations 2026	Dr. Giridhar Vedantam	Nil	300	300
2.	Health awareness on anaemia and personal hygiene to students of Faculty of Agriculture MGUG	Dr. Pragya Singh Dr. Vaishakh	Nil	100	100
3.	Medicinal plant distribution	Dr. Yasmin Dr. Sreenath Dr. Shantibhushan	Nil	150	150
4.	Women's health programme	Dr. Vishnumaya Dr. Jitendra Kumar Mishra Dr. Rachana Dr. Sandhya Dr. Vijisha	Nil	100	100
5.	Yoga Workshop	Mr. Chandrajeet	Nil	25	25
6.	Awareness on proper use of Ayurveda medicines and risks of self-medication throughout the week	Dr. Yasmin Dr. Preeti	Nil	200	200
7.	Seminar on "Insights from Clinical Practice"	Dr. Pratima	Nil	200	200
8.	FDP on Application of pedagogy and evaluation methodologies for Ayurveda education	Dr. Rajesh, Vice Principal, Medical College, MGUG	Nil	30	30
9.	Reel Making competition	Dr. Sandhya Pathak	10	Nil	10
10.	Two medical camps at Sonbarsa and Balapar	Dr. Dinesh Kumar Singh, Dr. Kamlesh Pandey, Dr. Arpita Walia, Dr. Shrelakshmi	Nil	105	105
11.	Quiz	Dr. Jitendra Kumar Mishra Dr. Devi Nair	Nil	100	100
12.	Ayurveda Awareness rally	Dr. Shantibhushan Handur Dr. Naveen Kodlady	Nil	200	200
13.	Speech competition to all faculties of university, MGUG	Dr. Vinamra Sharama	Nil	25	25
14.	Ayurveda Food Exhibition	Dr. Bhupesh Kr Goel, Vice Chancellor, MGUG	Nil	300	300
15.	Nukkad Natak Street Play	Dr. Sandhya Pathak	Nil	100	100
16.	Seminar on Ayurveda for Community Wellbeing and sustainable living	Dr. GS Tomar	10	200	210
17.	Valedictory ceremony of Ayurveda day celebrations and Prize Distribution	Dr. Avadh Bihari Tiwari, MS, Mahayogi Gorakhnath Hospital, Sonbarsa	Nil	300	300
18.	Free Nadi Pariksha using Nadi Tarangini equipment throughout the week		Nil	200	200

Details of the publicity/Media Coverage

Inauguration of Ayurveda day Celebrations /1st Day

स्वस्थ भविष्य के लिए आयुर्वेद' के संदेश के साथ राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस समारोह का शुभारंभ

ग्राम स्वराज्य (संवाददाता)

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज आयुर्वेद कॉलेज में भारतीय ज्ञान परंपरा पारंपरिक चिकित्सा केंद्र एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में 11वें राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस समारोह–2026 का भव्य शुभारंभ हुआ। इस वर्ष समारोह की थीम 'स्वस्थ भविष्य के लिए आयुर्वेद' रखी गई है। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन से हुआ। आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ. नवीन कोडलाडी ने आयुर्वेद के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह केवल रोगों के उपचार तक सीमित नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवनशैली, रोग–प्रतिरोधक क्षमता, संतुलित आहार और समग्र स्वास्थ्य का व्यापक माध्यम है। उन्होंने बताया कि 17 से 23 सितंबर तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जायेंगे।

समारोह के तहत जनजागरूकता कार्यक्रम, योग कार्यशाला, भाषण प्रतियोगिता, रील निर्माण प्रतियोगिता, आयुर्वेद प्रश्नोत्तरी, वाद–विवाद तथा खाद्य पदार्थ निर्माण प्रतियोगिता सहित विभिन्न गतिविधियां होंगी। इनका उद्देश्य विद्यार्थियों के ज्ञान एवं रचनात्मकता को बढ़ाने के साथ समाज में आयुर्वेद के प्रति जागरूकता पैदा करना है। प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम ने भारतीय ज्ञान परंपरा की वर्तमान समय में प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए स्वस्थ समाज के निर्माण में आयुर्वेद की भूमिका रेखांकित की। इस अवसर पर स्वस्थ भारत के भविष्य एवं सामाजिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने की प्रतिज्ञा भी दिलाई गई। उप–प्राचार्य डॉ. कमलेश पाण्डेय ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में डॉ. शान्तिभूषण, आचार्य साध्वी नन्दन पाण्डेय, डॉ. विनम्र शर्मा, डॉ. संध्या पाठक, डॉ. देवी नायर, डॉ. प्रीति पाण्डेय, डॉ. जितेन्द्र, डॉ. अर्जुन, डॉ. वैशाख, डॉ. यास्मिन, डॉ. श्रीनाथ सहित सभी प्राध्यापक, चिकित्सक, बीएएमएस विद्यार्थी एवं स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

आयुर्वेद से स्वस्थ भविष्य का संदेश, सप्ताहभर होंगे आयोजन

गोरखनाथ विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस समारोह शुरू, विद्यार्थियों और आमजन को किया जाएगा जागरूक

जन माध्यम

गोरखपुर। गोरखनाथ विश्वविद्यालय के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज आयुर्वेद कॉलेज में भारतीय ज्ञान परंपरा, पारंपरिक चिकित्सा केंद्र और एनएसएस के संयुक्त तत्वावधान में 11वें राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस समारोह 2026 का शुभारंभ हुआ। इस वर्ष समारोह की थीम "स्वस्थ भविष्य के लिए आयुर्वेद" रखी गई है। दीप प्रज्वलन के साथ शुरू हुए कार्यक्रम में आयुर्वेद की उपयोगिता और स्वस्थ जीवनशैली में उसकी भूमिका पर चर्चा की गई। आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ. नवीन कोडलाडी ने कहा कि आयुर्वेद केवल रोगों के उपचार तक सीमित नहीं, बल्कि संतुलित आहार, रोग-प्रतिरोधक क्षमता और समग्र स्वास्थ्य को बनाए रखने की व्यापक चिकित्सा पद्धति है। उन्होंने बताया कि 17 से 23 सितंबर तक सप्ताहभर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। समारोह के तहत जन-जागरूकता अभियान, योग कार्यशाला, भाषण, आयुर्वेद क्विज, वाद-विवाद, रील्स निर्माण और खाद्य पदार्थ निर्माण प्रतियोगिता आयोजित होंगी। प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम ने भारतीय ज्ञान परंपरा की वर्तमान प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए आयुर्वेद की भूमिका बताई। इस दौरान स्वस्थ भारत और सामाजिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने की शपथ भी दिलाई गई। उप-प्राचार्य डॉ. कमलेश पाण्डेय ने आभार जताया। कार्यक्रम में चिकित्सक, प्राध्यापक, बीएएमएस विद्यार्थी और स्वयंसेवक मौजूद रहे।

Medicinal Plant Distribution

राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस : औषधीय पौधों का वितरण और महिला स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

नव अमृत प्रभात

गोरखपुर। 11वें राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस समारोह सप्ताह (17 से 23 सितंबर 2026) के अंतर्गत महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, आयुर्वेद संकाय की ओर से शुक्रवार को जनजागरूकता एवं शैक्षणिक गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रमों का उद्देश्य आयुर्वेद की उपयोगिता को जनसामान्य तक पहुंचाने के साथ विद्यार्थियों को व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना रहा।

ग्रामीणों को औषधीय पौधों का वितरण

आयुर्वेद संकाय के बी.ए.एम.एस. नागार्जुन स्तर के विद्यार्थियों ने कृषि विज्ञान केंद्र, पीपीगंज में औषधीय पौधों के वितरण के साथ ग्रामीणों को इनके औषधीय महत्व एवं उपयोग के प्रति जागरूक किया। विद्यार्थियों ने विभिन्न औषधीय पौधों की पहचान, उपयोग एवं संरक्षण से संबंधित जानकारी ग्रामीणों के साथ साझा की। अभियान के दौरान हड्डियों के स्वास्थ्य, संतुलित एवं पौष्टिक आहार, स्वस्थ जीवनशैली तथा हड्डियों की कमजोरी से उत्पन्न होने वाली स्वास्थ्य समस्याओं के संबंध में भी जनजागरूकता प्रदान की गई। कार्यक्रम में डा. यास्मिन, सह प्राध्यापक, द्रव्यगुण विभाग; डा. श्रीनाथ आर., सहायक प्राध्यापक, द्रव्यगुण विभाग तथा डा. शांतिभूषण हंडूर, विभागाध्यक्ष, संहिता सिद्धांत एवं संस्कृत विभाग का मार्गदर्शन विद्यार्थियों को प्राप्त हुआ। कृषि विज्ञान विशेषज्ञ डा. श्वेता ने विद्यार्थियों को औषधीय फसलों की वैज्ञानिक खेती से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने मृदा चयन एवं प्रबंधन, सिंचाई, नर्सरी प्रबंधन, जैविक खाद, फसल उत्पादन एवं कृषि तकनीकों के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी। विद्यार्थियों ने नर्सरी एवं कृषि क्षेत्र का भ्रमण कर औषधीय पौधों की खेती की व्यावहारिक प्रक्रियाओं का अवलोकन किया।

महिला स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता कार्यक्रम

इसी क्रम में शुक्रवार को सायं 4 बजे पंचकर्म सभागार, गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस , गोरखपुर में प्रसूति तंत्र एवं स्त्री रोग विभाग द्वारा महिला स्वास्थ्य एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम डा. जितेन्द्र मिश्रा सह आचार्य प्रसूति विभाग के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में आयुर्वेद के विद्यार्थियों ने सक्रिय एवं उत्साहपूर्ण सहभागिता की। महाविद्यालय के विभिन्न विभागों के शिक्षकगण भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं के स्वास्थ्य से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर जागरूकता बढ़ाने तथा स्वास्थ्य संरक्षण के प्रति जनसामान्य को प्रेरित करने पर विशेष जोर दिया गया। दोनों कार्यक्रमों के माध्यम से औषधीय पौधों के संरक्षण एवं उपयोग, स्वस्थ जीवनशैली, महिला स्वास्थ्य तथा आयुर्वेद आधारित स्वास्थ्य-जागरूकता को जनसामान्य तक पहुंचाने का प्रयास किया गया। साथ ही, विद्यार्थियों को कक्षा में अर्जित सैद्धांतिक ज्ञान को ग्रामीण एवं सामुदायिक स्तर पर व्यवहार में देखने का अवसर मिला। राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस समारोह सप्ताह के अंतर्गत आयोजित इन गतिविधियों ने आयुर्वेद के जनस्वास्थ्य, जनजागरूकता एवं व्यावहारिक शिक्षा से जुड़े पक्षों को प्रभावी रूप से सामने रखा।

Awareness to College Students and Awareness on proper use of Medicines

आयुर्वेद दिवस समारोह के तृतीय दिवस पर योग, औषधि-जागरूकता एवं आयुर्वेद शिक्षा पर विशेष जोर

नव अमृत प्रभात

गोरखपुर। 11वें राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस समारोह सप्ताह के अंतर्गत महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के गुरु गोरखनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, फैकल्टी ऑफ आयुर्वेद में तृतीय दिवस पर योग, औषधि-जागरूकता, नैदानिक अनुभव एवं आयुर्वेद शिक्षा से संबंधित विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों के माध्यम से Ayurveda for a Healthier Tomorrow के संदेश को व्यवहारिक रूप से विद्यार्थियों, रोगियों एवं समाज तक पहुंचाने का प्रयास किया गया। तृतीय दिवस के कार्यक्रमों का शुभारंभ योग कार्यशाला से हुआ। GGIMS के योग हॉल में रोगियों एवं उनके परिचारकों के लिए सामान्य योग प्रोटोकॉल एवं सूर्यनमस्कार का अभ्यास कराया गया। योग शिक्षक चंद्रजीत जी ने प्रतिभागियों को विभिन्न योगाभ्यासों एवं सूर्यनमस्कार की सही विधि, उनके शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव तथा नियमित योगाभ्यास के महत्व के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर डॉ. शांतिभूषण एवं आचार्य साध्वी नंदन पांडेय की गरिमामयी उपस्थिति एवं मार्गदर्शन रहा। योग कार्यशाला के पश्चात डॉ. दिनेश सिंह, मेडिकल सुपरिंटेंडेंट एवं सह आचार्य, आयुर्वेद विभाग द्वारा बी.फार्मा के विद्यार्थियों के लिए औषधि-जागरूकता व्याख्यान दिया गया। उन्होंने औषधियों के समुचित ज्ञान, उचित एवं विवेकपूर्ण उपयोग, आवश्यक सावधानियों तथा रोगी हित में औषधियों की जिम्मेदार भूमिका पर प्रकाश डाला। विद्यार्थियों को सुरक्षित औषधि-

प्रयोग तथा चिकित्सकीय मार्गदर्शन के महत्व के प्रति जागरूक किया गया। इसके बाद वरिष्ठ महिला आयुष चिकित्सक डॉ. प्रतिमा श्रीवास्तव ने Insights from Ayurveda Clinical Practice विषय पर अतिथि व्याख्यान दिया। उन्होंने अपने चिकित्सकीय अनुभवों के माध्यम से आयुर्वेद के व्यावहारिक एवं नैदानिक पक्षों, रोगी-केंद्रित चिकित्सा दृष्टिकोण तथा चिकित्सकीय व्यवहार में आयुर्वेदिक सिद्धांतों के प्रभावी अनुप्रयोग पर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। तृतीय दिवस की शैक्षणिक गतिविधियों के क्रम में आयुर्वेद संकाय के शिक्षकों के लिए Faculty Development Programme (FDP) आयोजित किया गया। Application of Pedagogy and Evaluation Methodology for Ayurveda Education

विषय पर डॉ. राजेश दासराजू, आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, फामाकीलॉजी विभाग ने व्याख्यान दिया। उन्होंने प्रभावी शिक्षण-पद्धतियों, विद्यार्थियों की सीखने की प्रक्रिया को बेहतर बनाने तथा मूल्यांकन की आधुनिक एवं प्रभावी तकनीकों के आयुर्वेद शिक्षा में व्यावहारिक अनुप्रयोग पर शिक्षकों का मार्गदर्शन किया। इसी अवसर पर महंत दिग्विजयनाथ चिकित्सालय की ओपीडी में स्व-औषधि सेवन के हानिकारक प्रभावों के प्रति जन-जागरूकता अभियान भी जारी रहा। नागार्जुन बैच के विद्यार्थियों अदिति मिश्रा, अदिति पाल, आकांक्षा मिश्रा, अभिषेक गिरी एवं आर्या पांडेय ने रोगियों एवं उनके परिजनों को पंपलेट्स के माध्यम से बिना चिकित्सकीय परामर्श औषधि लेने से होने वाले संभावित दुष्प्रभावों एवं स्वास्थ्य संबंधी जटिलताओं के बारे में जानकारी दी। साथ ही, सुरक्षित एवं विवेकपूर्ण औषधि सेवन के लिए चिकित्सकीय परामर्श को आवश्यक बताया गया। यह अभियान 23 सितंबर 2026 तक द्रव्यगुण विभाग के अंतर्गत डॉ. यास्मिन के मार्गदर्शन में जारी रहेगा। इन सभी कार्यक्रमों के आयोजन एवं मार्गदर्शन में डॉ. नवीन के. सहित संबंधित विभागों के शिक्षक, चिकित्सक एवं विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता रही।

आयुर्वेद का संदेश–स्वस्थ व्यक्ति से स्वस्थ समाज तक

11वें राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस समारोह सप्ताह का तृतीय दिवस योग, सुरक्षित औषधि-प्रयोग, नैदानिक अनुभव, जन-जागरूकता और गुणवत्तापूर्ण आयुर्वेद शिक्षा के समन्वित प्रयास का सशक्त उदाहरण रहा। कार्यक्रमों ने यह संदेश प्रभावी रूप से प्रस्तुत किया कि आयुर्वेद केवल चिकित्सा की पद्धति नहीं, बल्कि स्वास्थ्य संरक्षण, रोग-निवारण, संतुलित जीवनशैली और स्वस्थ समाज की दिशा में एक समग्र दृष्टिकोण है। समारोह सप्ताह के आगामी कार्यक्रमों के माध्यम से भी विश्वविद्यालय द्वारा आयुर्वेद के ज्ञान को कक्षा से समुदाय तक और चिकित्सा से जनस्वास्थ्य तक पहुंचाने, विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को सशक्त बनाने तथा आमजन को स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक करने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जाएंगे। इस प्रकार “Ayurveda for a Healthier Tomorrow” का संदेश केवल समारोह तक सीमित न रहकर स्वस्थ, जागरूक एवं आत्मनिर्भर समाज के निर्माण का सतत संकल्प बने—इसी उद्देश्य के साथ 11वें राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस समारोह सप्ताह की गतिविधियां आगे बढ़ रही हैं।

Medical Camps

एमजीयूजी के आयुर्वेद कॉलेज ने सोनबरसा गांव में लगाया स्वास्थ्य शिविर'

संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज)

की तरफ से सोमवार को सोनबरसा गांव में निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में अनुभवी चिकित्सकों की टीम द्वारा 105 रोगियों को निशुल्क चिकित्सकीय सेवाएं प्रदान की गईं। इस अवसर पर डॉ. दिनेश कुमार सिंह, डॉ. कमलेश कुमार पांडेय, डॉ. श्रीलक्ष्मी सीएल एवं डॉ. अर्पित वालिया उपस्थित रहे। चिकित्सकों ने शिविर में आए मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा उनकी स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के अनुरूप आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श एवं उपचार संबंधी सुझाव दिए गए। आवश्यकता के अनुसार मरीजों को निशुल्क औषधियों का वितरण भी किया गया। शिविर के दौरान ग्रामीणों को उचित आहार–विहार, संतुलित एवं स्वास्थ्यवर्धक जीवनशैली, रोगों की रोकथाम, दिनचर्या एवं स्वास्थ्य संरक्षण के महत्व के बारे में जागरूक किया गया। शिविर के संचालन में इंटर्न चिकित्सक डॉ. शिवम एवं डॉ. दीक्षा त्रिपाठी तथा सुश्रुत बैच के विद्यार्थियों ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

<u>Ayurveda Awareness Ralley</u>

गोरखनाथ विश्वविद्यालय में आयुर्वेद दिवस पर प्रतियोगिताएं: भाषण, खाद्य प्रतियोगिता के साथ जागरूकता रैली भी निकली, विजेताओं को मिला सम्मान

भटहट(गोरखपुर), गोरखपुर 2 दिन पहले

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज आयुर्वेद कॉलेज में 11वां राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस समारोह सप्ताह मनाया गया। भारतीय ज्ञान परंपरा पारंपरिक चिकित्सा केंद्र ने इस दौरान आयुर्वेद जागरूकता रैली, भाषण प्रतियोगिता और खाद्य प्रतियोगिता का आयोजन किया। इस साल समारोह की थीम 'स्वस्थ भविष्य के लिए आयुर्वेद' रखी गई थी।

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज आयुर्वेद कॉलेज और अस्पताल परिसर से सोनबरसा गांव तक आयुर्वेद जागरूकता रैली निकाली गई। इसमें विद्यार्थियों ने नारों और संदेशों के जरिए लोगों को आयुर्वेद, स्वस्थ जीवनशैली, बीमारियों की रोकथाम और स्वास्थ्य सुरक्षा के बारे में जागरूक किया। रैली में डॉ. शांति भूषण हंडूर, डॉ. नवीन कोडलडी, डॉ. प्रज्ञा सिंह, डॉ. दिनेश सिंह और आचार्य साध्वी नंदन पांडेय समेत सभी शिक्षक मौजूद थे।

'उपचार से परे—आयुर्वेद का बहुआयामी प्रभाव' विषय पर भाषण प्रतियोगिता हुई। इसमें विश्वविद्यालय के अलग-अलग विभागों के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। उन्होंने आयुर्वेद की अहमियत, स्वास्थ्य को बढ़ावा देने, बीमारियों को रोकने, स्वस्थ जीवनशैली और सामाजिक स्वास्थ्य में इसकी भूमिका पर अपने विचार रखे।

हिंदी भाषण प्रतियोगिता में बी.ए.एम.एस. चतुर्थ वर्ष के सिद्धांत श्रीवास्तव पहले स्थान पर रहे। बी.ए.एम.एस. प्रथम वर्ष के राघवेंद्र शुक्ला को दूसरा और बी.एससी. (ऑनर्स) फॉरेंसिक विज्ञान प्रथम वर्ष की दिव्यांशी मिश्रा को तीसरा स्थान मिला।

वहीं, अंग्रेजी भाषण प्रतियोगिता में बी.ए.एम.एस. की श्रेया सिंह ने पहला स्थान हासिल किया। एम.बी.बी.एस. द्वितीय वर्ष की अंजलि तिवारी दूसरे और बी.एससी. जैव प्रौद्योगिकी प्रथम वर्ष की जान्हवी पांडेय तीसरे नंबर पर रहीं।

भाषण प्रतियोगिता का आयोजन रसशास्त्र एवं भैषज्य कल्पना विभाग के सह-आचार्य डॉ. विनम्र शर्मा के निर्देशन में हुआ। इसमें डॉ. दिनेश कुमार सिंह, डॉ. अनुपमा ओझा और डॉ. जितेंद्र कुमार मिश्रा निर्णायक मंडल में शामिल थे। खाद्य प्रतियोगिता का मार्गदर्शन रसशास्त्र एवं भैषज्य कल्पना विभाग की डॉ. विजीषा पी. एम. ने किया। डॉ. शांति भूषण, डॉ. देवी और डॉ. संध्या पाठक इसके निर्णायक थे।

विद्यार्थियों का उत्साह बढ़ाने के लिए कुलपति डॉ. भूपेश गोयल, आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम, डॉ. नवीन, डॉ. विनम्र, डॉ. शांति भूषण, डॉ. अर्पित, डॉ. रश्मि, आचार्य साध्वी नंदन और डॉ. अनुपमा सहित विश्वविद्यालय के कई प्रोफेसर और डॉक्टर मौजूद थे।

Seminar by GS Tomar

आयुर्वेद समाजिक कल्याण एवं सतत जीवन की कला - डॉ जी एस तोमर

गोरखपुर। गुरु गोरक्षनाथ इन्स्टिटट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज़, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में आज आयुर्वेद दिवस के अवसर पर विश्व आयुर्वेद मिशन के संस्थापक अध्यक्ष एवं आरोग्य भारती के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रो(डॉ) जी एस तोमर ने ऑनलाइन माध्यम से स्वस्थ कल के लिए आयुर्वेद विषय पर विशिष्ट व्याख्यान दिया । अपने उद्बोधन में डॉ तोमर ने आयुर्वेद के व्यापक दृष्टिकोण, उसके स्वास्थ्य संरक्षण एवं लोककल्याणकारी स्वरूप तथा वर्तमान समय में उसकी प्रासंगिकता पर अपने विचार व्यक्त किए।डॉ. जी.एस. तोमर ने कहा कि आयुर्वेद स्वस्थ समुदाय और संतुलित जीवनशैली का मार्गदर्शन करता है।प्रकृति के संरक्षण और सतत जीवन के लिए आयुर्वेद प्रेरणा देता है।यह स्वस्थ व्यक्ति, स्वस्थ समाज और स्वस्थ पर्यावरण की संकल्पना को बढ़ावा देता है।उन्होंने विद्यार्थियों को आयुर्वेद के मूल सिद्धान्तों को समझने तथा उन्हें व्यावहारिक जीवन एवं चिकित्सा के क्षेत्र में प्रभावी रूप से अपनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के प्राचार्य डॉ गिरिधर वेदांतम ने की । संयोजन डॉ नवीन कोडले ने किया । इस अवसर पर बड़ी संख्या में संस्थान के प्राध्यापक एवं छात्र उपस्थित रहे ।

Nukkad Natak, Valedictory and Prize Distribibtion

आयुर्वेद के ज्ञान, सेवा और जनजागरूकता के संदेश के साथ 11वें राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस समारोह का भव्य समापन

(गोरखपुर मेल)

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के अन्तर्गत गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, आयुर्वेद संकाय में भारतीय ज्ञान परंपरा पारंपरिक चिकित्सा केन्द्र व राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 11वें राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस सप्ताह समारोह–2026 का बुधवार को पंचकर्म सभागार में भव्य समापन समारोह आयोजित किया गया। सप्ताहभर आयोजित विभिन्न शैक्षणिक, सांस्कृतिक, चिकित्सा एवं जनजागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से आयुर्वेद के ज्ञान और स्वस्थ जीवनशैली के संदेश को विद्यार्थियों एवं जनसामान्य तक पहुँचाया गया।

समापन समारोह में नुक्कड़ नाटक, संगोष्ठी एवं अतिथि व्याख्यान सहित विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों के माध्यम से आयुर्वेद के सिद्धान्तों, स्वास्थ्य संरक्षण, रोग–निवारण तथा भारतीय ज्ञान परंपरा में आयुर्वेद की महत्ता पर सार्थक विमर्श किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अवध बिहारी तिवारी, चिकित्सा अधीक्षक, महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय, सोनबरसा, गोरखपुर उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. गिरिधर वेदांतम, प्रधानाचार्य, गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज ने की। वहीं डॉ. नवीन कोडलाडी, अध्यक्ष, आयोजन समिति, राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस समारोहद्2026 की गरिमामयी उपस्थिति रही।

अतिथि व्याख्यान में आयुर्वेद के विविध आयामों पर विमर्श

समारोह के अंतर्गत डॉ. जी.एस. तोमर द्वारा विशेष आनलाइन अतिथि व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। उन्होंने आयुर्वेद के व्यापक दृष्टिकोण, उसके स्वास्थ्य संरक्षण एवं लोककल्याणकारी स्वरूप तथा वर्तमान समय में उसकी प्रासंगिकता पर अपने विचार व्यक्त किए। डॉ. जी.एस. तोमर ने कहा कि आयुर्वेद स्वस्थ समुदाय और संतुलित जीवनशैली का मार्गदर्शन करता है। प्रकृति के संरक्षण और सतत जीवन के लिए आयुर्वेद प्रेरणा देता है। यह स्वस्थ व्यक्ति, स्वस्थ समाज और स्वस्थ पर्यावरण की संकल्पना को बढ़ावा देता है। उन्होंने विद्यार्थियों को आयुर्वेद के मूल सिद्धान्तों को समझने तथा उन्हें व्यावहारिक जीवन एवं चिकित्सा के क्षेत्र में प्रभावी रूप से अपनाने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम में डॉ. नवीन कोडलाडी द्वारा राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस समारोह सप्ताह के दौरान आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों का संक्षिप्त प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। इसके पश्चात आयुर्वेद दिवस समारोहद्2026 की दृश्यात्मक प्रस्तुति के माध्यम से सप्ताहभर की गतिविधियों की झलक प्रस्तुत की गई।

उत्कृष्ट प्रतिभागियों को किया गया सम्मानित

समारोह में सप्ताहभर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों एवं प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं प्रमाण–पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें आयुर्वेद के अध्ययन, अनुसंधान तथा भारतीय ज्ञान परंपरा के संरक्षण एवं संवर्धन में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया गया।

समारोह की अध्यक्षता कर रहे डॉ. गिरिधर वेदांतम, प्राचार्य ने आयुर्वेद दिवस के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए सप्ताहभर आयोजित कार्यक्रमों की सराहना की।उन्होंने कहा कि आयुर्वेद केवल चिकित्सा–पद्धति नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन एवं समग्र कल्याण की भारतीय जीवन–दृष्टि है। विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को इसके ज्ञान को समाज तक पहुँचाने में निरंतर योगदान देना चाहिए। कार्यक्रम के अंत में संध्या एस. पाठक द्वारा आभार ज्ञापित किया गया। तत्पश्चात वन्दे मातरम् के साथ समारोह का औपचारिक समापन हुआ। कार्यक्रम में डॉ शांतिभूपण हंडूर, डॉ नवीन कोडालडी, डॉ देवी नायर, वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी आचार्य साध्वी नंदन जी उपस्थित सहित सभी प्राध्यापक व चिकित्सक , स्वयंसेवक व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

आयुर्वेद के ज्ञान, सेवा और जनजागरूकता के संदेश के साथ 11वें राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस समारोह का भव्य समापन

ग्राम स्वराज्य (संवाददाता)

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, आयुर्वेद संकाय में भारतीय ज्ञान परंपरा पारंपरिक चिकित्सा केंद्र एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 11वें राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस सप्ताह समारोह–2026 का बुधवार को पंचकर्म सभागार में भव्य समापन हुआ। सप्ताहभर चले शैक्षणिक, सांस्कृतिक, चिकित्सा एवं

जनजागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों और जनसामान्य तक आयुर्वेद के ज्ञान, स्वास्थ्य संरक्षण और स्वस्थ जीवनशैली का संदेश पहुंचाया गया। समापन समारोह में नुक्कड़ नाटक, संगोष्ठी और अतिथि व्याख्यान सहित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये। समारोह के मुख्य अतिथि महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय, सोनबरसा के चिकित्सा अधीक्षक अवध बिहारी तिवारी रहे, जबकि अध्यक्षता गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के प्रधानाचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम ने की। आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ. नवीन कोडलाडी की भी गरिमामयी उपस्थिति रही। विशेष ऑनलाइन अतिथि व्याख्यान में डॉ. जी.एस. तोमर ने आयुर्वेद के व्यापक दृष्टिकोण, स्वास्थ्य संरक्षण, लोककल्याण और वर्तमान समय में उसकी प्रासंगिकता पर विचार रखे। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद स्वस्थ समुदाय, संतुलित जीवनशैली और स्वस्थ पर्यावरण की संकल्पना को बढ़ावा देता है। उन्होंने विद्यार्थियों को आयुर्वेद के मूल सिद्धांतों को समझकर उन्हें व्यावहारिक जीवन और चिकित्सा के क्षेत्र में अपनाने के लिए प्रेरित किया। डॉ. नवीन कोडलाडी ने सप्ताहभर आयोजित कार्यक्रमों का संक्षिप्त प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। इसके बाद दृश्यात्मक प्रस्तुति के माध्यम से समारोह की विभिन्न गतिविधियों की झलक दिखाई गई।

सीमा के भीतर आवेदन करने की अपील की गई है। लिया। पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता निर्माण किया। तीसरी प्रतियोगिता कार्यक्रम कल भी जारी रहेगा। प्रचारक श्री रमेश जी होंगे। रखेगा।

आयुर्वेद के ज्ञान, सेवा और जनजागरूकता के संदेश के साथ 11वें राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस समारोह का भव्य समापन'

संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के अन्तर्गत गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, आयुर्वेद संकाय में भारतीय ज्ञान परंपरा पारंपरिक चिकित्सा केन्द्र व राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 11वें राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस सप्ताह समारोह द्2026 का आज 23 सितम्बर को पंचकर्म सभागार में भव्य समापन समारोह आयोजित किया गया। सप्ताहभर आयोजित विभिन्न शैक्षणिक, सांस्कृतिक, चिकित्सा एवं जनजागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से आयुर्वेद के ज्ञान और स्वस्थ जीवनशैली के संदेश को विद्यार्थियों एवं जनसामान्य तक पहुँचाया गया।

समापन समारोह में 'नुक्कड़ नाटक, संगोष्ठी एवं अतिथि व्याख्यान' सहित विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों के माध्यम से आयुर्वेद के सिद्धान्तों, स्वास्थ्य संरक्षण, रोग–निवारण तथा भारतीय ज्ञान परंपरा में आयुर्वेद की महत्ता पर सार्थक विमर्श किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री अवध बिहारी तिवारी, चिकित्सा अधीक्षक, महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय, सोनबरसा, गोरखपुर उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. गिरिधर वेदांतम, प्रधानाचार्य, गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज ने की। वहीं डॉ. नवीन कोडलाडी, अध्यक्ष, आयोजन समिति, राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस समारोह–2026 की गरिमामयी उपस्थिति रही।

'अतिथि व्याख्यान में आयुर्वेद के विविध आयामों पर विमर्श' समारोह के अंतर्गत 'डॉ. जी. एस. तोमर द्वारा विशेष आनलाइन अतिथि व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। उन्होंने आयुर्वेद के व्यापक दृष्टिकोण, उसके स्वास्थ्य संरक्षण एवं लोककल्याणकारी स्वरूप तथा वर्तमान समय में उसकी प्रासंगिकता पर अपने विचार व्यक्त किए।डॉ. जी.एस. तोमर ने कहा कि आयुर्वेद स्वस्थ समुदाय और संतुलित जीवनशैली का मार्गदर्शन करता है।प्रकृति के संरक्षण और सतत जीवन के लिए आयुर्वेद प्रेरणा देता है।यह स्वस्थ व्यक्ति, स्वस्थ समाज और स्वस्थ पर्यावरण की संकल्पना को बढ़ावा देता है।उन्होंने विद्यार्थियों को आयुर्वेद के मूल सिद्धान्तों को समझने तथा उन्हें व्यावहारिक जीवन एवं चिकित्सा के क्षेत्र में प्रभावी रूप से अपनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में डॉ. नवीन कोडलाडी द्वारा राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस समारोह सप्ताह के दौरान आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों का संक्षिप्त प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। इसके पश्चात आयुर्वेद दिवस समारोह–2026 की दृश्यात्मक प्रस्तुति के माध्यम से सप्ताहभर की गतिविधियों की झलक प्रस्तुत की गई।

'उत्कृष्ट प्रतिभागियों को किया गया सम्मानित': समारोह में सप्ताहभर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों एवं प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं प्रमाण–पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें आयुर्वेद के अध्ययन, अनुसंधान तथा भारतीय ज्ञान परंपरा के संरक्षण एवं संवर्धन में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया गया।

समारोह की अध्यक्षता कर रहे डॉ. गिरिधर वेदांतम, प्राचार्य ने आयुर्वेद दिवस के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए सप्ताहभर आयोजित कार्यक्रमों की सराहना की।उन्होंने कहा कि आयुर्वेद केवल चिकित्सा–पद्धति नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन एवं समग्र कल्याण की भारतीय जीवन–दृष्टि है। विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को इसके ज्ञान को समाज तक पहुँचाने में निरंतर योगदान देना चाहिए। कार्यक्रम के अंत में सं. या एस. पाठक द्वारा आभार ज्ञापित किया गया। तत्पश्चात वन्दे मातरम् के साथ समारोह का औपचारिक समापन हुआ।कार्यक्रम में डॉ शांतिभूषण हंडूर, डॉ नवीन कोडालडी, डॉ देवी नायर, वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी आचार्य साध्वी नंदन जी उपस्थित सहित सभी प्राध्यापक व चिकित्सक, स्वयंसेवक व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय

ग्यारहवें राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस समारोह का भव्य समापन

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अन्तर्गत गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, आयुर्वेद संकाय में भारतीय ज्ञान परंपरा पारंपरिक चिकित्सा केन्द्र व राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 11वें राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस सप्ताह समारोह - 2026 का पंचकर्म सभागार में भव्य समापन समारोह आयोजित किया गया।

सप्ताहभर आयोजित विभिन्न शैक्षणिक, सांस्कृतिक, चिकित्सा एवं जनजागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से आयुर्वेद के ज्ञान और स्वस्थ जीवनशैली के संदेश को विद्यार्थियों एवं जनसामान्य तक पहुँचाया गया।

समापन समारोह में नुक्कड़ नाटक, संगोष्ठी एवं अतिथि व्याख्यान सहित विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों के माध्यम से आयुर्वेद के सिद्धान्तों, स्वास्थ्य संरक्षण, रोग-निवारण तथा भारतीय ज्ञान परंपरा में आयुर्वेद की महत्ता पर सार्थक विमर्श किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अवध बिहारी तिवारी, चिकित्सा अधीक्षक, महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय, सोनबरसा उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. गिरिधर वेदांतम, प्रधानाचार्य, गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज ने की। वहीं डॉ नवीन कोडलाडी, अध्यक्ष, आयोजन समिति, राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस समारोह2026 की उपस्थिति रही।

समारोह के अंतर्गत डॉ जीएस तोमर द्वारा विशेष आनलाइन अतिथि व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। उन्होंने आयुर्वेद के व्यापक दृष्टिकोण, उसके स्वास्थ्य संरक्षण एवं लोककल्याणकारी स्वरूप तथा वर्तमान समय में उसकी प्रासंगिकता पर अपने विचार व्यक्त किए। डॉ जीएस तोमर ने कहा कि आयुर्वेद स्वस्थ समुदाय और संतुलित जीवनशैली का मार्गदर्शन करता है। प्रकृति के संरक्षण और सतत जीवन के लिए आयुर्वेद प्रेरणा देता है। यह स्वस्थ व्यक्ति, स्वस्थ समाज और स्वस्थ पर्यावरण की संकल्पना को बढ़ावा देता है। कार्यक्रम में डॉ नवीन कोडलाडी द्वारा राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस समारोह सप्ताह के दौरान आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों का संक्षिप्त प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। इसके पश्चात आयुर्वेद दिवस समारोह2026 की दृश्यात्मक प्रस्तुति के माध्यम से सप्ताहभर की गतिविधियों की झलक प्रस्तुत की गई।

उत्कृष्ट प्रतिभागियों को किया गया सम्मानित

समारोह में सप्ताह भर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों एवं प्रतिभागियों को

11वें राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस समारोह का समापन: महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में सप्ताहभर चले कार्यक्रम में दिया स्वस्थ जीवनशैली का संदेश

भटहट(गोरखपुर), गोरखपुर 5 दिन पहले

गोरखनाथ विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस सप्ताह का समापन: स्वस्थ जीवनशैली और प्रकृति संरक्षण का संदेश

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के आयुर्वेद संकाय में 11वें राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस सप्ताह समारोह का बुधवार को समापन हुआ। पंचकर्म सभागार में आयोजित समापन समारोह में नुक्कड़ नाटक, संगोष्ठी और अतिथि व्याख्यान के जरिए आयुर्वेद के सिद्धांतों, स्वस्थ जीवनशैली और भारतीय ज्ञान परंपरा में आयुर्वेद की भूमिका पर चर्चा की गई। सप्ताहभर चले आयोजन में शैक्षणिक, सांस्कृतिक, चिकित्सा और जनजागरूकता कार्यक्रम हुए।

सप्ताहभर आयुर्वेद को लेकर हुए कार्यक्रम

समारोह का आयोजन भारतीय ज्ञान परंपरा पारंपरिक चिकित्सा केंद्र और राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। सप्ताहभर विद्यार्थियों और आम लोगों को आयुर्वेद के ज्ञान, स्वास्थ्य संरक्षण और बेहतर जीवनशैली के प्रति जागरूक करने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। समापन अवसर पर भी आयुर्वेद के व्यावहारिक महत्व पर चर्चा हुई।

नुक्कड़ नाटक और संगोष्ठी से दिया संदेश

समापन समारोह में नुक्कड़ नाटक और संगोष्ठी का आयोजन हुआ। इनके माध्यम से आयुर्वेद के सिद्धांतों, स्वास्थ्य को बनाए रखने और बीमारियों से बचाव के उपायों पर जानकारी दी गई। वक्ताओं ने भारतीय ज्ञान परंपरा में आयुर्वेद के महत्व और वर्तमान समय में इसकी उपयोगिता पर भी अपने विचार रखे।

ऑनलाइन व्याख्यान में आयुर्वेद के व्यापक दृष्टिकोण पर चर्चा

समारोह में डॉ. जीएस तोमर ने ऑनलाइन अतिथि व्याख्यान दिया। उन्होंने आयुर्वेद के व्यापक दृष्टिकोण और स्वास्थ्य संरक्षण के साथ लोककल्याण से जुड़े इसके स्वरूप पर बात की। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद स्वस्थ समाज और संतुलित जीवनशैली की दिशा दिखाता है। साथ ही प्रकृति संरक्षण और सतत जीवन के लिए भी प्रेरित करता है।

स्वस्थ व्यक्ति से स्वस्थ समाज की सोच

डॉ. जीएस तोमर ने कहा कि आयुर्वेद केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है, बल्कि स्वस्थ समाज और स्वस्थ पर्यावरण की सोच को भी बढ़ावा देता है। उन्होंने वर्तमान समय में आयुर्वेद की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए प्राकृतिक और संतुलित जीवनशैली को अपनाने की जरूरत बताई।

मुख्य अतिथि ने स्वास्थ्य जागरूकता पर दिया जोर

मुख्य अतिथि अवध बिहारी तिवारी ने राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के महत्व पर अपने विचार रखे। उन्होंने लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने की जरूरत बताई और आयुर्वेद के उद्देश्यों तथा जनकल्याण में इसकी भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कार्यक्रम में बच्चों की उत्साहपूर्ण और सक्रिय भागीदारी की सराहना की।

वंदे मातरम के साथ हुआ समारोह का समापन

कार्यक्रम की अध्यक्षता गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम ने की। राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस समारोह-2026 की आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ. नवीन कोडलाडी भी मौजूद रहे। अंत में संध्या एस. पाठक ने सभी के प्रति आभार जताया। इसके बाद वंदे मातरम के साथ समारोह का समापन हुआ। कार्यक्रम में चिकित्सा अधिकारी डॉ. दिनेश सिंह, वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी आचार्य साध्वी नंदन जी, डॉ. शांतिभूषण हंडूर, डॉ. देवी नायर और वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी आचार्य साध्वी नंदन पांडेय समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

- No of Seminars Conducted - 2 (one on 19.09.2026 and another on 23.09.2026)
- No of Medical Camps – 2 (on 21.09.2026 at Sonbarsa and Balapar)
- Data has been uploaded on Microsite
- Display of backdrop of Ayurveda day on landing page of Website – Done.